No. of Printed Pages : 4 — प्रथम प्रश्न पत्र **NAK-1**

सामान्य हिन्दी

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

Time allowed : Three Hours] *[Maximum Marks : 200*

निर्देश : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके दाहिनी ओर अंकित हैं ।

(iii) उत्तर-पुस्तिका के अन्दर कहीं भी अपना नाम या अनुक्रमांक न लिखें । पत्रादि के अंत में क्ष, त्र, ज्ञ लिख सकते हैं ।

I. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर **400** शब्दों का निबंध लिखें : **40**

(क) विज्ञापनों का जीवन पर प्रभाव

(ख) आज की भारतीय नारी

(ग) युवाओं ने संभाली कमान, अब बदलेगा हिन्दुस्तान

(घ) मंदीकरण का दौर और भारतीय अर्थ-व्यवस्था

(ङ) जल अगर न बचाओगे तो धरती से कट जाओगे

II. मानव ने अपनी बौद्धिक क्षमता तथा मानसिक शक्ति के बल पर अनेक प्रकार की उपलब्धियाँ प्राप्त करके यह सिद्ध कर दिया है कि सृष्टि के समस्त चराचरों में केवल वही सर्वश्रेष्ठ प्राणी है । मनुष्य ने अपनी बुद्धि तथा अन्य क्षमताओं का प्रयोग करके सागर का वक्षस्थल चीरकर उसके रहस्यों का पता लगा लिया है, पर्वत-शिखरों पर अपनी विजय पताका फहरा दी है, नदियों का रुख मोड़ डाला है, अंतरिक्ष की ऊँचाइयों को छू डाला है, पृथ्वी के गर्भ से अनेक प्रकार की खनिज सम्पदा निकाल ली है, अनेक असाध्य बीमारियों पर काबू पा लिया है, अनेक वैज्ञानिक उपकरणों द्वारा असंभव को संभव बना दिया है । आज जिधर भी देखते हैं, उधर ही मानव की जीत का डंका बजता दिखाई देता है । अपनी प्रतिभा एवं योग्यता से उसने इस पृथ्वी को तो नंदनवन बना दिया है । यह सब उसके अनवरत संघर्ष का परिणाम है । मानव ने पाषाण युग से लेकर आज तक प्रकृति की शक्तियों से संघर्ष किया है तथा कभी जीत तो कभी हार का सामना करते हुए वह आज भी अपने कार्य में जुटा है । मानव अपनी चिंतन शक्ति के कारण उचितानुचित, कर्त्तव्याकर्त्तव्य, धर्माधर्म, भले-बुरे तथा हानिकारक-लाभदायक जैसी वस्तुओं, विषयों तथा समस्याओं के बारे में सोचकर उचित निर्णय करने की अद्‌भुत क्षमता रखता है, क्योंकि उसमें दृढ़ता, कर्मठता, स्वावलंबन, साहस, कष्ट सहिष्णुता, धैर्य आदि गुण विद्यमान हैं । इन्हीं के बल पर वह अद्‌भुत सामर्थ्य रखता है । मानव में संघर्ष करने की अद्‌भुत क्षमता होते हुए भी संघर्ष करते-करते कभी-कभी वह निराश और हताश हो जाता है । परिस्थितियाँ उसे चुनौतियाँ देती हैं जिन्हें वह स्वीकार नहीं कर पाता । ऐसी स्थिति में वह सफलता प्राप्त करने से वंचित रह जाता है । कभी-कभी वह भाग्यवादी बनकर निराशा के गर्त में गिरता है और स्वयं को भाग्य के हाथों छोड़ देता है । निराशा उसके पुरुषार्थ को कुंठित कर देती है । ऐसे अनेक उदाहरण दिए जा सकते हैं जब निराशा ने मानव को दुर्बल बनाया ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । **5**

(ख) मूल गद्यांश का सारांश लिखिए । **20**

(ग) उपर्युक्त गद्यांश में तीन रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए । **15**

III. (i) निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** का पल्लवन कीजिए : **15**

(क) राष्ट्रीय एकता

(ख) नर-नारी एक समान

(ग) भाग्य और पुरुषार्थ

(घ) नैतिक पतन

(ङ) विपति कसौटी जे कसे, ते ही साँचे मीत

(ii) "कार्यालय के कर्मचारी श्री योगेन्द्र कुमार, लिपिक का स्थानांतरण रोहतक से हैदराबाद हो गया है । उसने आवेदन किया है कि उसकी घरेलू परिस्थिति अत्यन्त चिंताजनक है । दोनों बच्चे स्कूल पढ़ रहे हैं । हैदराबाद जाकर इनको हिन्दी माध्यम से पढ़ाने में बहुत कठिनाई आएगी, क्योंकि वहाँ शिक्षा का माध्यम भिन्न है ।" – इस संदर्भ में आप एक टिप्पणी लिखिए । **15**

अथवा

हेमवती नन्दन बहुगुणा विश्वविद्यालय, गढ़वाल (श्रीनगर) के कुलसचिव, विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों को एक परिपत्र से सूचित करें कि वे अपनी कारों के आगे शीशे पर विश्वविद्यालय का निर्धारित स्टीकर अवश्य लगाएँ और कार शेड में ही खड़ी करें । **15**

IV. (क) किन्हीं **पाँच** शब्दों के चार-चार पर्यायवाची लिखिए : **10**

(i) अंधकार (ii) कमल

(iii) पृथ्वी (iv) चाँदनी

(v) कुबेर (vi) तरंग

(vii) गंगा (viii) गणेश

(ख) किन्हीं **पाँच** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : **5**

(i) ईश्वरवादी (ii) अनिवार्य

(iii) आवाहन (iv) आविर्भाव

(v) तरुण (vi) अतिवृष्टि

(vii) आकार (viii) अहिंसा

(ग) किन्हीं **पाँच** पदों में से प्रत्येक में समास का नाम लिखिए : **5**

(i) राजपुरुष (ii) नीलकमल

(iii) अष्टाध्यायी (iv) पतिव्रता

(v) गंगा यमुना (vi) दिगम्बर

(vii) नरनारी (viii) शरणागत

V. (क) किन्हीं **पाँच** वाक्यांशों का चयन करते हुए प्रत्येक के लिए एक-एक शब्द लिखिए : 5

(i) जंगल में स्वयं लगने वाली आग

(ii) जिसे कभी बुढ़ापा न आए

(iii) बुराई के लिए प्रसिद्ध

(iv) जीने की इच्छा रखने वाला

(v) बिना वेतन के कार्य करने वाला

(vi) जिस पर उपकार किया गया हो

(vii) जहाँ जाना सम्भव न हो

(viii) दूसरों के पीछे चलने वाला

(ख) किन्हीं **पाँच** मुहावरों एवं लोकोक्तियों के अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 15

(i) आँखों में धूल झोंकना

(ii) आस्तीन का साँप

(iii) आ बैल मुझे मार

(iv) अधजल गगरी छलकत जाए

(v) तारे तोड़ लाना

(vi) अंधी पीसे कुत्ता खाए

(vii) दाँतों में जीभ होना

(viii) आँख नीची होना

VI. निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 25

मानव जीवन अति महत्त्वपूर्ण है, परन्तु वह क्षणभंगुर है । अत: प्रत्येक क्षण का सदुपयोग अनिवार्य है । मानव जीवन की सफलता का रहस्य भी यही है कि वह समय रूपी रत्न का उपयोग उचित ढंग से करे अन्यथा जो क्षण नष्ट हो गया वह सदैव के लिए नष्ट हो जाता है । जो समय पर लाभ नहीं उठाते वे समय चूकने पर पश्चाताप करते हैं । हाथ मलते ही रहते हैं । तुलसीदास का कथन है – "समय चूंकि पुनि का पछिताने", लोकोक्ति भी है – अब पछिताए होत क्या जब चिडियाँ चुग कई खेत । सभी लोग मूर्ख मानकर उपहास करते हैं और मन व्यथित होता है । समय बड़ा ही शक्तिशाली है । जो समय की पहचान करता है वही लाभ उठाता है । समय के सदुपयोग से रंक राजा बन जाते हैं । समय के दुरुपयोग से सम्राट भिखारी बन जाते हैं। इसलिए समय की चाल पहचान कर उसके अनुसार कार्य करना चाहिए । प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कुछ अवसर ऐसे आते हैं जब वह बड़े से बड़े कार्य की सिद्धि कर सकता है । सफलता उसके चरण चूमती है । इसका एक ही मूलमंत्र है कि हमें कार्य को समय के अन्तर्गत ही पूर्ण कर देना चाहिए, आज के कार्य को कल के लिए, कल के कार्य को परसों के लिए नहीं छोड़ना चाहिए । जीवन के हर कार्य के लिए एक निश्चित समय होता है । सोना, पढ़ना, खेलना, मनोरंजन करना ये सभी समय पर ही सुशोभित होते हैं । किसी भी कार्य को असमय करने से कष्ट मिलता है, इसलिए असमय करना भी नहीं चाहिए । यदि व्यक्ति कार्य के समय सोता है और सोने के समय कार्य करता है तो वह सफलता प्राप्त नहीं कर सकता ।

VII. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 25

The Mother in the play is Prakriti's mother. She belongs to a low-caste. She believes that she and her daughter Prakriti are untouchables. She has taught Prakriti that an evil fate has cast her in the filth. No spade in the world can clear it. So she is unclean. She should remain in her own limit. Her very presence will taint others. That was the reason why Prakriti go surprised, when Ananda asked her to give him some water. It was Ananda who awakened her to truth and wisdom. He said that all human beings are equal. She is also a human being like him. He asked her not to humiliate herself, self-humiliation is a sin, worse than self-murder. Ananda's wise words gave a new life to Prakriti. Prakriti's mother is a loving mother. She loves her daughter very dearly. She gets worried when Prakriti keeps waiting at the well for the arrival of Ananda. She tells her mother that she has given her heart to the monk. She longs for meeting him and making love to him. Her mother warns her. She asks her to forget the monk. Her mother asks Prakriti if she has no respect for religion. At this Prakriti replies that a religion that insults is a false religion. She respects him who respects her.